This question paper contains 2 printed pages Roll No. .....

S. No. of Question Paper : 13518

Unique Paper Code : 2135000011

Name of the Paper : **Introduction to Jain Philosophy, GE**

Name of the Course : **Common Prog. Group, NEP-UGCF -2022**

Semester : III

Duration: **3 Hours** Maximum Marks: **90**

Instructions for Candidates/विद्यार्थियों के लिये निर्देश:

1. Please write your Roll No. on the top immediately upon receiving this question paper) कृपया इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखें
2. Answers may be written either in **Sanskrit** *or* in **Hindi** *or* in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
   इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** *अथवा* **हिन्दी** *अथवा* **अंग्रेजी,** किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिये।
3. All Questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. जैन धर्म के ऐतिहासिक आधार को बताते हुये उसकी प्रमुख अवधारणाओं पर प्रकाश डालिये। 15
   Explaining historical background of Jainism elaborate its basic concepts.

   अथवा/or

   जैन धर्म की प्रमुख विशेषताएं बताइये।
   Explain major characteristics of Jainism.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 2x7.5=15
   Write short notes on any **two** of the following.
   (क) आगम एवम् उसकी टीकाएं : Āgama and its commentaries
   (ख) प्रवचनसार : Pravacanasāra
   (ग) आचार्य जिनसेन : Ācārya Jinasena
   (घ) सप्तद्रव्य : Seven Dravya
   (ङ) अनेकान्तवाद : Anekāntavāda

P.T.O.

3. भारतीय समाज तथा संस्कृति के विकास में जैन धर्म व दर्शन का क्या महत्त्व है? 15
What is the significance of Jainism and its Philosophy in the development of Indian society and culture.

अथवा/or

जैन दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिये।
Explain the major doctrines of Jaina philosophy

4. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** पर टिप्पणी करिए। 2x7.5=15
Comment on any **two** of the following:

क) धर्म-कर्म : Dharma-karma
ख) अहिंसा : Ahiṁsā
ग) पर्याय : Paryāya
घ) ऋषभदेव : Ṛṣabhadeva
ङ) श्रमण : Śramaṇa

5. जैन दर्शन में आत्मा की प्रकृति एवं ब्रह्माण्ड के विषयक मान्यताओं का वर्णन कीजिये। 15
Describe the beliefs about the nature of the soul and the universe in Jaina philosophy.

अथवा/or

जैन आचार-व्यवहार एवं पर्यावरण के मध्य अन्तर्सम्बन्ध प्रकाश डालिए।
Describe interconnection between Jain ethics and Environment.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए। 2x7.5=15
Write short notes on any **two** of the following:

(i) महावीर स्वामी : Mahāvīra Swāmī
(ii) श्वेताम्बर : Śvetāmbara
(iii) वर्तमान में जैन धर्म : Jainism in the Modern world
(iv) पञ्च महाव्रत : Pañca Mahāvrata
(v) अपवर्ग : Apavarga